रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2018–20

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही,
कानपुर–208014

वर्ष –41 ● अंक –17 ● कानपुर 1 से 15 सितम्बर 2019 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹100

कैन्सर के दर्द निवारण में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की महत्वपूर्ण भूमिका – केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव को मैंने करीब से देखा है

माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मन्त्री श्री अश्विनी कुमार चौबे जी ने **Cancer pain and Palliative Care Center** का उद्घाटन देश की राजधानी नई दिल्ली के हौज़ख़ास में सिन्हा इलेक्ट्रो होम्यो अनुसंधान केन्द्र पटना द्वारा देश के प्रमुख केन्द्र के रूप में स्थापित किये जा रहे **Cancer pain and Palliative Care Center** का उद्घाटन करते हुए कहा कि उनके लिए यह अति प्रसन्नता और संतोष का विषय है कि पटना के सिन्हा इलेक्ट्रो होम्यो अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डा0 के0पी0 सिन्हा, डा0 प्रभात कुमार श्रीवास्तव व डा0 अभिषेक कुमार द्वारा किये गये दशकों के रिसर्च व अथक प्रयास के बाद ईजाद की गयी कैन्सर दर्द की अचूक इलेक्ट्रो होम्योपैथिक दवा गैंग्रीनॉल फोर्ट की सफलता का रथ आज उस मुकाम पर पहुंच चुका है जहां से अब इस अदभुत दवा व इसके विज्ञान का जनहित में व्यापक स्तर पर प्रचार व प्रसार करके हमारी संस्कृति की मूल भावना व आकांक्षा सर्वे सन्तु निरामयः को साकार करते हुए कैन्सर जैसे गम्भीर रोगों से त्रस्त मानव समाज को निजात दिलवाकर लाभन्वित किया जा सकता है।

माननीय मंत्री जी ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में सिन्हा इलेक्ट्रो अनुसंधान केन्द्र पटना की उत्कृष्ट कार्य शैली के माध्यम से इस अदभुत चिकित्सा विज्ञान के जिन अदभुत चिकित्सकीय नतीजों को मैंने अपने बिहार के स्वास्थ्य मंत्रित्व काल से लेकर वर्तमान समय तक अनेकों मरीजों को देखा है उस आधार पर मैं कह सकता हूँ कि तमाम तकनीकी उन्नति के बावजूद कैंसर जैसे गम्भीर रोगों से पीड़ित मानव समाज में व्याप्त त्राहिमाम के बीच डा0 के0पी0 सिन्हा व उनकी टीम ने आज इस चिकित्सा विज्ञान के द्वारा समाधान देकर स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नये युग की शुरूआत की है और पटना स्थित अनुसंधान केन्द्र द्वारा विकसित स्ट्रेन्थ–टेस्ट डिमॉन्सट्रेशन की तकनीकि के जरिए मैंने यह स्वयं देखा व महसूस किया है कि इस अदभुत चिकित्सा विज्ञान की दवायें किस प्रकार बिजली की गति के समान असर करके व्यक्ति को अन्दर से ताकत प्रदान करती हैं एवं इसीसे जाना कि कैसे गैंग्रीनॉल फोर्ट को भी कैंसर मरीजों पर एपलायी करने के कुछ समय में ही मरीज को असहनीय दर्द में राहत मिल जाती है जो कि चिकित्सा जगत में एक नया शुभारम्भ है।

माननीय मंत्री जी ने यह भी कहा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी के सवर्णिम सपने "आयुष्मान भारत " के प्रारूप में **Preventive , Promotive, Curative** के साथ आने वाले उसके अभिन्न अंग **Palliative Care** की जिम्मेदारी में केन्द्र सरकार के भागीदार के रूप में देश के विभिन्न हिस्सों में **Cancer pain and Palliative Care Center** खोलकर जिस तरह कैन्सर जैसे जटिल रोग से निपटने में सरकार के अभियान में सहयोग किया जा रहा है उसके लिए अनुसंधान केन्द्र का आभार व्यक्त करता हूँ।

सिन्हा इलेक्ट्रो होम्यो अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डा0 के0 पी0 सिन्हा ने माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी में वर्षों की गहन प्रैक्टिस के अनुभव के आधार पर 1999 में आविष्कृत की गयी कैन्सर की दवा गैंग्रीनॉल फोर्ट ने पिछले दो दशकों में अनेकों कैन्सर मरीजों पर जो परिणाम दिये हैं एवं जिसके गवाह हमारे माननीय मंत्री जी अपने बिहार के मंत्रित्वकाल से ही रहे हैं कि किस प्रकार इस दवा का उपयोग कैन्सर मरीज पर होते ही आधे घन्टे के अन्दर तत्काल अपना असर दिखाना शुरू कर देती है और कैन्सर के असहनीय दर्द में उसी समय से राहत मिलने लगती है जिसके बाद स्वयं मरीज उसी समय अपने स्वास्थ्य की बेहतरी का अनुभव बताने लगता है। पिछले चार दशकों में इस अदभुत चिकित्सा विज्ञान में सीमित संसाधनों के बावजूद कैन्सर जैसे जटिल रोगों में अभी तक मिल रहे ऐसे अनेकों अभूतपूर्व नतीजों के आधार पर आज मैं इस उदघाटन समारोह के अवसर पर मंत्री जी व मीडिया बन्धुओं के माध्यम से भारत सरकार को आश्वस्त करना चाहूंगा कि आज समाज में कैन्सर जैसे जटिल रोगों के बढ़ते प्रसार के मद्देनजर वर्तमान समय में **Preventive and Curative** चिकित्सा का सबसे अनुकूल विकल्प होने के साथ साथ आज जिस प्रकार से भारत सरकार इस चिकित्सा विज्ञान को समर्थन दे रही है तो वह दिन दूर नहीं होगा कि जब इस अदभुत विज्ञान के माध्यम से लगभग सभी जटिल रोगों में प्रभावशाली परिणाम देकर माननीय प्रधानमंत्री जी के सपने "आयुष्मान भारत" को साकार करने में हमारा अनुसंधान केन्द्र अग्रणी भूमिका निभा सकता है।

सिन्हा इलेक्ट्रो होम्यो अनुसंधान केन्द्र के उप निदेशक डा0 प्रभात कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि चिकित्सा क्षेत्र विशेष कर कैन्सर रोग में सिन्हा इलेक्ट्रो होम्यो अनुसंधान केन्द्र पटना के योगदान के मद्देनजर एवं जनहित में इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा विज्ञान को बड़े स्तर पर और अधिक उपयोगी एवं व्यवहारिक बनाने हेतु माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री श्री अश्विनी कुमार चौबे के निर्देशानुसार माननीय मंत्री जी के निजी सचिव डा0 यशोवर्धन पाठक **I.R.S.** ने 13–2–2019 को डा0 के0पी0 सिन्हा को माननीय मंत्री जी के संसदीय क्षेत्र बक्सर में मेगा कुम्भ स्वास्थ्य मेले में शिविर लगाने हेतु आमंत्रित किया गया था जिसका उदघाटन तत्कालीन केन्द्रीय स्वास्थ्यमंत्री माननीय जे0 पी0 नड्डा तथा केन्द्रीय स्वास्थ्य राजमंत्री श्री अश्विनी कुमार चौबे

शेष अंतिम पेज पर

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री अश्वनी कुमार चौबे कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मंच पर बायें से डा0 वी0 कुमार, डा0 के0 पी0 सिन्हा, डा0 आर0 के0थोवर व डा0 प्रभात कुमार श्रीवास्तव – छाया गज़ट

धैर्य रखना होगा

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा , शिक्षा , अनुसंधान एवं विकास का कार्य अनवरत चल रहा है और निर्बाध रूप से चलता ही रहेगा इसके लिए धैर्य रखना आवश्यक है यदि शैक्षिक शीर्ष संस्थायें/प्रपोज़लकर्ताओं ने धैर्य से काम नहीं लिया तो फिर मंज़िल कठिन हो जायेगी क्योंकि भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग ने जारी पत्र दिनांक 3 जुलाई, 2019 के सन्दर्भ से कुछ बिन्दुओं पर पुनः सूचनायें एवं अभिलेखों की मांग की है, इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित होने का अवसर देना चाहती है, विदित हो कि भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं अनुसंधान विभाग द्वारा जारी नोटिस दिनांक 28 फरवरी, 2017 के टर्म ऑफ़ रिफ्रेन्स के क्रम 4 सी पहले ही उल्लेख कर चुकी है कि अन्तर विभागीय समिति सरकार को इलेक्ट्रो होम्योपैथी को जनपयोगी पद्धतियों में शामिल करने की संस्तुति कर सकती है तथा यह भी संस्तुति कर सकती है कि इनके लिए कैसे कोर्स संचालित किये जायें, उनका पाठ्यक्रम क्या हो तथा उनके लिए नियामक कौन हो, सरकार के इस बिन्दु से यह पहले ही स्पष्ट था कि सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी को हर स्थिति में मान्यता देना चाहती है तथा/अथवा नियन्त्रित करना चाहती है, यह बात सरकार के मौजूदा पत्र से स्पष्ट हो जाती है।

भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय (स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग)ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चिकित्सा एवं शिक्षा के लिए पुनः उन बिन्दुओं पर सूचनायें मांगी हैं जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधि निर्माण तथा शिक्षण व्यवस्था से सम्बन्धित हैं, प्रपोज़लकर्ताओं का अब यह दायित्व हो जाता है कि वह यथा सम्भव वास्तविक जानकारी सरकार को उपलब्ध कराने का प्रयास करें उनके इस कार्य में जो भी संलग्न एवं सम्बन्धित व्यक्ति या समूह हैं उन्हें सूचनाओं के भौतिक सत्यापन कराने का भी ध्यान रखना चाहिये।

अन्तरविभागीय समिति की संस्तुतियां पूर्णतयः इलेक्ट्रो होम्योपैथी के हित में हैं इलेक्ट्रो होम्योपैथी के दावेदारों द्वारा जो दावे किये गये थे वह खोखले साबित हुए फिर भी अन्तरविभागीय समिति ने मान्यता के सम्बन्ध में जो बिन्दु निर्धारित किये थे वह उसपर पूरी तरह से आज भी कायम है और आज भी वह चाहती है कि उन बिन्दुओं की पूर्ति समुचित ढंग से कर दी जाये, तभी तो भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय (स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग) ने दिनांक 13 अगस्त, 2019 को पुनः पत्र जारी कर यह सन्देश दिया है कि वह आज भी मान्यता देने के लिए संस्तुति देने से पीछे नहीं है दावेदारों का अब यह दायित्व बनता है कि सरकार के पत्र द्वारा वांछित सूचनायें/अभिलेख उसे समुचित ढंग से उपलब्ध कराये जायें ताकि अन्तरविभागीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके जिससे वह अपनी संस्तुति पर पुनर्विचार कर सके और सरकार की इच्छा के अनुरूप इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शिक्षा एवं चिकित्सा के लिए अधिशाषी आदेश जारी हो सके।

अन्तरविभागीय समिति की रिपोर्ट आने के पश्चात तरह तरह के दाँव आज़माये जाने लगे हैं जिसमें सरकार से विशेषतयः भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय (स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग) से प्रश्न किये गये जिसके लिए प्रधानमंत्री कार्यालय तक का सहारा लिया गया, जो उचित नहीं है ऐसे लोगों को भलीभांति यह जानना चाहिये कि जब जब बेवजह लिखा पढ़ी की जाती है तो परिणाम उसका गलत ही होता है, नियमन के बिना कोई कार्य सम्भव नहीं है और कोई भी कार्य बिना नियन्त्रण व नियमन के उचित भी नहीं है। यह स्पष्ट रूप से समझना चाहिये कि सरकार आपको नियमन करने के लिए प्रयत्नशील है अब आप पर निर्भर है कि आप किस प्रकार नियमित होना चाहते हैं।

नियमन की प्रक्रिया निरीक्षण और परीक्षण के पश्चात ही सम्भव है इसमें किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप से कोई लाभ मिलने वाला नहीं है इसलिए नियमन की प्रक्रिया जब तक चल रही है तब तक हर जिम्मेदार व्यक्ति को चाहिये कि वह धैर्य बनाये रखे और किसी प्रकार की अनावश्यक लिखा पढ़ी से बचे प्रायः अनावश्यक लिखा पढ़ी को हस्तक्षेप ही माना जाता है और कार्य की गति जिस प्रकार चल रही है उसमें बाधा उत्पन्न होती है इसलिए सभी को चाहिये कि धैर्य रखकर नियमन की प्रक्रिया में अपना सहयोग प्रदान करें।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0

8–लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001
प्रशा0 कार्या0 : 127/204 "एस" जूही,कानपुर–208014
website- www.behm.org.in Email: registrarbehmup@gmail.com

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा संचालित विभिन्न पाठयक्रमों में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की संख्या

Pasing Year	F.M. E.H.	M.B. E.H.	B.E.H. M.S.	M.D. E.H.	A.C. E.H.	G.E. H.S.	P.G. E.H.	Total
1977	0	3	0	0	0	0	0	3
1978	50	0	0	5	0	0	0	55
1979	68	6	0	4	0	0	0	78
1980	74	49	0	32	0	0	0	155
1981	126	88	0	96	0	0	0	310
1982	41	56	0	15	0	0	0	112
1983	16	176	0	32	0	0	0	224
1984	13	106	0	0	0	0	0	119
1985	29	307	0	0	0	0	0	336
1986	93	293	0	43	0	0	0	429
1987	124	391	0	37	0	0	0	552
1988	142	402	0	53	0	0	0	597
1989	161	250	0	46	0	0	0	457
1990	93	405	0	52	0	0	0	550
1991	128	482	0	116	0	0	0	726
1992	192	659	0	90	0	0	0	941
1993	200	903	0	101	0	0	0	1204
1994	181	862	0	80	0	0	0	1123
1995	140	636	0	114	0	0	0	890
1996	76	465	0	109	0	0	0	650
1997	0	478	0	79	0	0	0	557
1998	0	422	0	50	0	0	0	472
1999	0	335	0	55	0	0	0	390
2000	0	268	0	64	0	0	0	332
2001	0	255	0	53	0	0	0	308
2002	0	278	0	70	0	0	0	348
2003	0	381	0	74	0	0	0	455
2004	0	405	35	58	0	0	0	498
2005	0	325	17	29	0	0	0	371
2006	0	210	13	38	0	0	0	261
2007	0	61	23	15	0	0	0	99
2008	0	26	4	0	0	0	0	30
2009	0	22	5	0	0	0	0	27
2010	0	11	3	0	0	0	0	14
2011	0	10	1	0	0	0	0	11
2012	3	15	3	0	3	0	0	24
2013	32	13	1	0	3	0	0	49
2014	41	8	0	0	6	0	0	55
2015	34	24	0	0	6	0	0	64
2016	51	43	0	0	11	0	0	105
2017	40	47	0	0	5	0	0	92
2018	49	51	0	0	2	35	6	143
2019	23	43	0	0	1	13	4	84

Registrar

डा0 प्रमोद शंकर बाजपेयी की स्मृति में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा अधिकृत डी0 एल0 एम0 मेडिकल स्टडी सेन्टर ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथी महाराजगंज द्वारा युग पुरूष एवं बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के राष्ट्रीय प्रवक्ता स्मृतिशेष डा0 प्रमोद शंकर बाजपेयी की प्रथम पुण्यतिथि पर डा0 प्रिन्स कुमार श्रीवास्तव के संचालन में दो दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा बरवांभोज में आयोजित किया गया, जिसमें चिकित्सकों द्वारा सैकड़ों मरीज़ों का परीक्षण कर उन्हें दवा वितरित की गयी।

शिविर का शुभारम्भ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के संयुक्त सचिव डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा ने करते हुए कहा कि डा0 बाजपेयी ने अपने जीवन काल में हज़ारों चिकित्सा शिविरों एवं चिकित्सा मेलों का आयोजन किया उनके द्वारा आयोजित कैम्पों को हम नैमिषारण सीतापुर, देवा मेला एवं ट्रेड फेयर अथार्टी ऑफ़ इण्डिया, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में हेल्थ एण्ड मेडिकेयर आदि हमें सदैव स्मरण रहते हैं। श्री मिश्रा ने कहा कि हमारा स्वास्थ्य ही हमारे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है जिसका हमें सदैव ध्यान रखना चाहिये अधिकतर बीमारियां दूषित खान पान व स्वच्छता पर ध्यान न देने की वजह से फैलती हैं जिसका हमें ध्यान रखना चाहिये। इस अवसर पर कानपुर से आये हुए डा0 प्रमोद कुमार सिंह ने डा0 बाजपेयी जी को याद करते हुए कहा कि हमें अनेकों कार्यक्रमों में डा0 बाजपेयी जी के साथ रहने का अवसर प्राप्त हुआ है, उन्होनें अनेकों संस्मरण सुनाते हुए डा0 प्रिन्स कुमार श्रीवास्तव एवं उनकी चिकित्सकीय टीम को चिकित्सा शिविर लगाने के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर स्टडी सेन्टर के सम्बद्ध निशा, ज़ीनत, सन्धया, साधना, आकाश, ममता, नीमा, अंकिता, ज्योति, नेमा,मधु,राहुल, आदित्य, टोनी आदि ने शिविर में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

डी0 एल0 एम0 मेडिकल स्टडी सेन्टर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी महाराजगंज के शिविर संचालक बायें से डा0 प्रिंस कुमार श्रीवास्तव, मध्य में डा0 प्रमोद सिंह एवं डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा — छाया गज़ट

Group Photo of Camp Staff of D.L.M.
Medical Study Centre of Electro Homoeopath Maharajganj

D.L.M.मेडिकल स्टडी सेन्टर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी महाराजगंज के शिविर में चिकित्सक शिक्षार्थी छात्रायें

डी0 एल0 एम0 मेडिकल स्टडी सेन्टर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी महाराजगंज के शिविर संचालक डा0 प्रिंस कुमार श्रीवास्तव, मुख्य अतिथी डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा का स्वागत करते हुये

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक सेमेस्टर परीक्षायें 25 सितम्बर से

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा आयोजित **F.M.E.H.** सेमेस्टर व **A.C.E.H.** की परीक्षायें आगामी 25 सिम्बर, 2019 से प्रारम्भ होंगी जो 28 सिम्बर, 2019 तक चलेंगी, यह सूचना बोर्ड के रजिस्ट्रार एवं परीक्षा प्रभारी डा0 अतीक अहमद की ओर से प्रसारित की गयी, रजिस्ट्रार द्वारा यह भी सूचित किया गया है कि सभी अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र उनके परीक्षा केन्द्रों को इस माह के द्वितीय सप्ताह में प्राप्त करा दिये जायेंगे, सभी अभ्यर्थी अपने प्रवेश पत्र अपने निर्धारित परीक्षा केन्द्रों से समय से प्राप्त कर लें, यदि प्रवेश-पत्र में किसी अभ्यर्थी के नाम व पिता के नाम में कोई त्रुटि हो तो वे उसका संशोधन अपने केन्द्र व्यवस्थापक के माध्यम से परीक्षा से पूर्व करा लें।

विदित हो कि बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा सेमेस्टर परीक्षाये वर्ष में चार बार क्रमशः अर्थात मार्च, जून, सितम्बर तथा दिसम्बर माह में आयोजित की जाती हैं जबकि वार्षिक परीक्षायें **M.B.E.H., G.E.H.S.** तथा **P.G.E.H.** की परीक्षायें प्रति वर्ष मार्च माह में आयोजित की जाती हैं, सितम्बर 2019 की समेस्टर परीक्षायें एक पाली में होंगी घोषित परीक्षा कार्यक्रम निम्न प्रकार है-

शोक समाचार

बड़े दुःख के साथ सूचित करना है कि वरिष्ठ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक डा0 रामेन्द्र पाल गुप्ता बदायूँ की धर्म पत्नी श्रीमती सुशीला 70 वर्ष का देहान्त दिनांक 24 अगस्त, 2019 को प्रातः 9:30 पर हो गया, डा0 गुप्ता बोर्ड की प्रबन्ध कमेटी में 1983 से 1988 तथा 1992 से 1996 तक सदस्य रहे हैं, संकट की इस घड़ी में परम पिता परमेश्वर दुःखी परिवार को धैर्य एवं मृत आत्मा को शन्ति प्रदान करे। यह सुचना डा0 बी0 डी0 गुप्ता बदायूँ ने दी।

BOARD OF ELECTRO HOMOEOPATHIC MEDICINE, U.P.

8-Lal Bagh, Kamla Sharma Marg, Lucknow-226001 E-mail registrarbehmup@gmail.com

PROGRAMME FOR EXAMINATION SEPTEMBER 2019

Name of the course	25 th September , 2019 Wednesday	26 th September , 2019 Thursday	27 th September, 2019 Friday	28 th September , 2019 Saturday
F.M.E.H. 1st. Semester	Anatomy & Physiology	Pharmacy &Philosophy	XX	XX
F.M.E.H. 2nd. Semester	Pathology	Hygiene & Health	Environmental Science	XX
F.M.E.H. 3rd. Semester	Opthalmology including E.N.T.	M.Jurisprudence & Toxicology	**Dietetics**	XX
F.M.E.H. Final Semester	Obstetrics & Gynaecology	Materia Medica	Practice of Medicine	XX
A.C.E.H.	Anatomy& Physiology	Pharmacy-Philosophy & Materia Medica	Pathology-Hygiene & Health-M.Jrisprudence&Toxicology	Midwifery-Gynics-Opthalmology incl. E.N.T. & Practice of Med.

Timing → 8: 00 A.M. to 11:00 A.M.

Ateeq Ahmad
Examination Incharge

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियों के प्रभाव को मैंने करीब से देखा है .... प्रथम पेज से आगे

जी ने संयुक्त रूप से किया था उससे ही प्रेरित होकर सिन्हा इलेक्ट्रो होम्यो अनुसंधान केन्द्र पटना द्वारा पूरे भारत वर्ष में 108 **Cancer pain and palliative care center** खोले जाने का निश्चय किया गया था।

डा0 प्रभात ने कहा कि इसी कड़ी में कुछ समय पूर्व मुम्बई जैसे शहर में ऐसे केन्द्र खोलने के बाद देश की राजधानी दिल्ली में प्रमुख ---- **Cancer pain and Palliative Care Center** खोला जा रहा है दिल्ली में खुल रहे हमारे इसी सेन्टर में कैन्सर के इलाज के लिए इलेक्ट्रो होम्योपैथी के अन्य चिकित्सकों को ट्रेनिग देने की व्यवस्था भी की गयी है ताकि देश के हर कोने में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के माध्यम से कैन्सर पर इसी उत्कृष्टता से काम करके समाज को लाभान्वित करते हुए भारत सरकार के आयुष्मान भारत के सपने को साकार करने में अपनी अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित कर सके है।

पदमश्री से सम्मानित दिल्ली स्टेट कैन्सर इन्सटीट्यूट दिलशाद गार्डेन के पूर्व निदेशक डा0 आर0 के0 ग्रोवर ने केन्द्र के निदेशक डा0 के0पी0 सिन्हा को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी तरह के रिसर्च या क्लीनिकल ट्रायल की प्रक्रिया में सिन्हा इलेक्टणे होम्यो अनुसंधान केन्द्र का हर प्रकार से सहयोग किया जायेगा,अनुसंधान केन्द्र की गैथ्रीनाल फोर्ट दवा लक्षणात्मक राहत देता है और कैन्सर के ट्यूमर के हटाने में भी प्रभावी हो सकता है उन्होने इस पर प्रसांगिक और सुपाठय डेटा प्राप्त करने के लिए पायलट स्टडी करने की आवश्यकता बतायी।

अन्त में दिल्ली स्टेट कैन्सर इन्सटीट्यट,दिलशाद गार्डेन,नई दिल्ली के क्लीनिकल आन्कोलाजी डिपार्टमेन्ट के हेड डा0 अरूण झा ने उद्घाटन के लिए बधाई देते हुए कहा कि इस खुबसूरत गृह से कैन्सर को खत्म करने के लिए अनुसंधान केन्द्र की पूरी टीम कड़ी मेहनत कर रही है,इनकी गैथ्रीनाल फोर्ट दवा उन रोगियों को तत्काल प्रभाव देती है जो असहनीय दर्द में है यह स्थानीय या मौखिक दोनो रूपो में लागू किया जा सकता है इस दवा ने शुरूआती चरण या उन्नति चरण के कैन्सर दर्द में जबरदस्त परिणाम दिखाया है।

कार्यक्रम के सफल संचालन व आयोजन में पटना अनुसंधान केन्द्र की कोर टीम के सक्रिय सदस्य डा0 अभिषेक कुमार (असिटेन्ट रिसर्च एडवाइजर) पटना व जयपुर के डा0 के0के0नेहरा (मुख्य सहयोगी) का मुख्य योगदान रहा समारोह में डा0 पी0के0शुक्ला प्रयागराज,डा0 बी0के0शर्मा दिल्ली,डा0 आनन्द सिन्हा रायबरेली,डा0अमित सिह सतना,डा0सुरेश जायसवाल मुम्बई,डा0 प्रशांत शुक्ला कानपुर,डा हरी सिंह यादव अलीगढ,डा0 एस0पी0वर्मा बस्ती,डा0 राजकुमार शर्मा सीकर,डा0 रणजीत सीकर ,डा0 विकास तोमर हापुड,डा0 टी0एस0खर्ब पानीपत,डा0 जतीन्दर सिंह तरणतारण,डा0 रेणु सचदेवा दिल्ली, डा0 राहिल दिल्ली, डा0 अलका कानपुर, डा0डी0पी0मिश्रा दिबियापुर ,डा0 के0डी0तिवारी दिल्ली आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन एंव उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का अभिनन्दन डा0 बी0कुमार अध्यक्ष IEHMC ने किया

मंच पर डा0 आर0 के0 ग्रोवर पूर्व निदेशक दिल्ली स्टेट कैन्सर इन्सटीट्यूट, दिलशाद गार्डेन,नई दिल्ली – छाया गजट

मंच पर डा0 के0 पी0 सिन्हा निदेशक सिन्हा इलेक्ट्रो होम्यो अनुसंधान केन्द्र, पटना – छाया गजट